This question paper contains 3 printed pages.

Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121301101**
Title of the Paper	**:**	वैदिक वाङ्मय: ऋक् संहिता एवं निरुक्त **Vaidika vāṅmaya : Ṛksaṃhitā avṃ Nirukta**
Name of the Course	**:**	**M.A., Sanskrit (LOCF), Examination, Jan 2024**
Semester	**:**	**I**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।
Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit**, Hindi, or English, but the same medium should be used throughout the paper.

1. निम्नलिखित मन्त्रों की व्याख्या कीजिए, जिनमें से एक **संस्कृत** में हो। **8+7=15**
   Explain the following mantras out of which **one** should be in **Sanskrit.**

   (क) द्यावा चिदस्मै पृथिवी नमेते शुष्माच्चिदस्य पर्वता भयन्ते।
   यः सोमपा निचितो वज्रबाहुर्यो वज्रहस्तः स जनास इन्द्रः॥

   अथवा/OR

   त्वामग्न ऋतायवः समीधिरे प्रत्नं प्रत्नास ऊतये सहस्कृत।
   पुरुश्चन्द्रं यजतं विश्वधायसं दमूनसं गृहपतिं वरेण्यम्॥

   (ख) न मृत्युरासीदमृतं न तर्हि न रात्र्या अह्न आसीत्प्रकेतः।
   आनीदवातं स्वधया तदेकं तस्माद्धान्यन्न परः किं चनास॥

   अथवा/OR

   अहं रुद्राय धनुरा तनोमि ब्रह्मद्विषे शरवे हन्तवा उ।
   अहं जनाय समदं कृणोम्यहं द्यावापृथिवी आ विवेश॥

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए। **10**

Write an exhaustive note on any **one** of the following.

(क) सूर्य: (ख) पुरुष: (ग) धनान्नदानम्

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** मन्त्र का पदपाठ कीजिए। **5**

Write Padapātha of any **one** of the following mantras.

यो हत्वाहिमरिंणात्सप्त सिन्धून्यो गा उदाजंदपधा वलस्यं।
यो अश्मंनोरन्तरग्निं जजान संवृक्समत्सु स जंनास इन्द्रः॥

अथवा/OR

तमं आसीत्तमंसा गूळहमग्रेंऽप्रकेतं संलिलं सर्वमा इदम्।
तुच्छयेनाभ्वपिंहितं यदासीत्तपंसस्तन्महिनाजांयतैकंम्॥

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए। **5x2=10**

Write notes on the following.

(क) जात्य एवं क्षैप्र स्वरित **अथवा/OR** तुमर्थक प्रत्यय

Jatya and Kshaipra Svarit Tumarthak Pratyaya

(ख) प्रश्लिष्ट एवं अभिनिहित सन्धि **अथवा/OR** पदपाठ के नियम

Prashlishta and Abhinihita Sandhi Rules of Padapatha

5. निम्नलिखित की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **8x2=16**

Explain the following with reference to the context.

(क) न निर्बद्धा उपसर्गा अर्थान्निराहुरिति शाकटायनः। नामाख्यातयोस्तु कर्मोपसंयोगद्योतका भवन्ति। उच्चावचाः पदार्था भवन्तीति गार्ग्यः। तद् य एषु पदार्थः प्राहुरिमे त् नामाख्यातयोरर्थविकरणम्। आ इत्यर्वागर्थे। प्रपरेत्येतस्य प्रातिलोम्यम्। अभीत्याभिमुख्यम् ....।

अथवा/OR

तत्रा नामान्याख्यातजानि इति शाकटायनो नैरुक्तसमयश्च। न सर्वाणीति गार्ग्यो वैयाकरणानां चैके। तद्यत्र स्वरसंस्कारौ समर्थौ प्रादेशिकेन गुणेनान्वितौ स्याताम्, संविज्ञातानि तानि। यथा – गौरश्चः पुरुषो हस्तीति।

(ख) अथापि स्तुतिरेव भवति नाशीर्वादः। इन्द्रस्य नु वीर्याणि प्र वोचम्। अथाप्याशीरेव न स्तुतिः। सुचक्षा अहमक्षीभ्यां भूयासम्। सुवर्चा मुखेन। सुश्रुत्कर्णाभ्यां भूयासमिति। तदेतद्बहुलमाध्वर्यवे याज्ञेषु च मन्त्रेषु। अथापि शपथाभिशापौ .... एवमुच्चावच्चैरभिप्रायैर्ऋषीणां मन्त्रदृष्टयो भवन्ति।

अथवा/OR

अथातोऽनुक्रमिष्यामः। अग्निः पृथिवीस्थानः। तं प्रथमं व्याख्यास्यामः। अग्निः कस्मात्? अग्रणीर्भवति। अग्रं यज्ञेषु प्रणीयते। अङ्गं नयति सन्नममानः। अक्नोपनो भवतीति स्थौलाष्ठीविः। न क्नोपयति न स्नेहयति। त्रिभ्य आख्येतेभ्यः जायत इति शाकपूणिः। इतात् अक्ताद्दग्धाद्वा नीतात्। स खल्वेतेरकारमादत्ते गकारमनक्तेर्वा दहतेर्वा, नीः परः।

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए। **8**

Write an exhaustive note on any **one** of the following.

(क) षड् भावविकाराः

(ख) देवतानामाकारचिन्तनम्

7. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** का निर्वचन यास्क के अनुसार संस्कृत में लिखिए। **2x3=6**

Write the etymology of any **three** of the following words in **Sanskrit** according to **Yaska**.

जातवेदाः, वैश्वानरः, गायत्री, अध्वर्युः, समुद्रः, रात्रिः, आचार्य: